द्वितीय प्रश्न पत्र
प्राकृत सट्टक, गद्य एवं प्राकृतीकरण

100 अंक

इकाई एक – प्राकृत सट्टक **20 अंक**

1. कर्पूरमंजरी (राजशेखर) प्रथम जवनिका – गद्य एवं पद्य
   संम्पा. डॉ. आर. पी. पोद्दार

इकाई दो – **20 अंक**

नाटकों में प्राकृत प्रयोग एवं समीक्षा
(संस्कृत नाटकों में प्राकृत भाषा का प्रयोग, प्राकृत सट्टक साहित्य, कर्पूरमंजरी का मूल्यांकन, कवि राजशेखर आदि पर सामान्य प्रश्न)

इकाई तीन – प्राकृत गद्य **20 अंक**

कहाणयअट्ठगं – 1 मूलदेवकथा मात्र, संम्पा. राजाराम जैन, डॉ. चन्द्रदेव राय

इकाई चार – सामान्य प्रश्न **20 अंक**

(पठित प्राकृत गद्य कथाओं पर एवं उनके मूल ग्रन्थों पर सामान्य प्रश्न तथा प्राकृत गद्य साहित्य की रूपरेखा)

इकाई पाँच – प्राकृतीकरण **20 अंक**

1. स्वर – परिवर्तन के प्रमुख नियम एवं उदाहरण
2. व्यंजन – परिवर्तन के प्रमुख नियम एवं उदाहरण
3. प्राकृत के प्रमुख व्याकरण ग्रन्थों का सामान्य परिचय

सहायक पुस्तकें :–

1. महाकवि राजशेखर, डॉ. श्यामा वर्मा
2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. नेमिचन्द शास्त्री
3. प्राकृत प्रवेशिका – डॉ. कोमलचन्द जैन
4. कहाणयअट्ठगं – सं. राजाराम जैन, प्राकृत साहित्य परिषद् प्रकाशन, आरा
5. हेम प्राकृत व्याकरण – शिक्षक – डॉ. उदयचन्द जैन
6. प्राकृत गद्य–सोपान – डॉ. प्रेम सुमन जैन, जयपुर, 1983
7. प्राकृत भारती, आगम संस्थान, उदयपुर, 1991